अध्याय- XVIII

मान्यता एवं पुरस्कार

इस्पात मंत्रालय

प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 14 से 17 नवम्बर, 2003 तक आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले, 2003 में लगे इस्पात मंत्रालय के पण्डाल को केंद्रीय सरकार के पण्डालों की श्रेणी में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि. (सेल)

उपलब्धियां/पुरस्कार/आईटीपीओ पुरस्कारों सहित पुरस्कार

अपनी परम्परा को बनाए रखते हुए सेल को वर्ष के दौरान अनेक सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हुए। इस प्रमुख इस्पात कंपनी को लागत में कमी लाने पर विशिष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार 2003 के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार प्रमुख शैक्षिक संगठन, आईसीडब्ल्यूएआई द्वारा शुरू किया गया था। सेल पण्डाल को प्रगति मैदान में 1-5 नवम्बर, 2003 तक आयोजित विश्व खान कांग्रेस में दूसरा स्थान मिला। भिलाई इस्पात संयंत्र के पांच कर्मचारियों को श्रम भूषण पुरस्कार, राउरकेला इस्पात संयंत्र के एक कर्मचारी को श्रमवीर तथा भिलाई इस्पात संयंत्र के 38 कर्मचारियों को विश्वकर्मा राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। भारत सरकार ने भिलाई इस्पात संयंत्र की विख्यात लोक नृत्य के तीजन बाई को प्रतिष्ठित सम्मान, पदमश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा संचालित सैकेण्डरी स्कूल के प्रधानाचार्य सुश्री पुष्पा मैसी को वर्ष के दौरान का सर्वश्रेष्ठ अध्यापक होने पर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किए जाने से सेल राष्ट्रीय छवि का हुआ। शैक्षिक क्षेत्र को आगे बढ़ाते हुए भिलाई के एक छात्र शशांत शेखर द्विवेदी जो भिलाई इस्पात संयंत्र के धमन भट्टी में एजीएम श्री पी. द्विवेदी के सुपुत्र हैं, ने आईआईटी संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) 2003 में प्रथम स्थान पा कर इतिहास रचा।

इसके अतिरिक्त, सेल के उसके कर्मचारियों द्वारा व्यक्तिगत क्षमताओं के प्रदर्शन के लिए उद्योग रत्न पुरस्कार, मानव रत्न पुरस्कार, एनडीएमसी स्वर्ण पदक, श्रम यशस्वी पुरस्कार तथा एसएमएस-डीईएमएजी विशिष्ठता पुरस्कार, स्वर्ण पदक जैसे अन्य पुरस्कार हैं, जो सेल को प्राप्त हुए।

प्रधान मंत्री श्रम पुरस्कार - 2003

वर्ष 2003 के दौरान, पांच कर्मचारियों से युक्त भिलाई इस्पात संयंत्र के एक दल को प्रधान मंत्री श्रम रत्न पुरस्कार जो अपनी श्रेणी में उच्चतम पुरस्कार है, से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, भिलाई के एक अन्य दल और बोकारो इस्पात संयंत्र के एक कर्मचारी को वर्ष 2003 का श्रम वीर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

विश्वकर्मा राष्ट्रीय पुरस्कार - 2001 और 2002

सेल को विश्वकर्मा राष्ट्रीय पुरस्कार 2001-2002 के मिले पुरस्कारों से इसका एक सम्मानित स्थान बना है। भिलाई इस्पात संयंत्र के 35 कर्मचारियों और वीआईएसपी के एक कर्मचारी को विश्वकर्मा पुरस्कार 2002 के लिए चुना गया है तथा बोकारो इस्पात संयंत्र के दो कर्मचारियों को विश्वकर्मा पुरस्कार 2001 के लिए चुना गया है।

राष्ट्रीय इस्पात निगम लि. (आरआईएनएल)

कंपनी को निम्नलिखित पुरस्कार/सम्मान मिलें

1) 2000-01 के लिए टर्नअराण्ड श्रेणी के अंतर्गत स्कोप पुरस्कार

2) राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2002 और 2003 - एकीकृत इस्पात क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार

3) वर्ष 2002-03 के लिए सर्वोत्तम सुरक्षा मानक कार्यान्वित करने के लिए इस्पात क्षेत्र में ग्रीनटेक सुरक्षा पुरस्कार

4) 2001-02 और 2002-03 के समझौता ज्ञापन को उपलब्धियों में सर्वश्रेष्ठता के लिए एमओयू पुरस्कार

5) सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा स्थापित परिस्थितिकी संरक्षण चल वैजयन्ती

6) आईसीडब्ल्यूएआई द्वारा 2003 के लिए लागत कटौती में सर्वश्रेष्ठता के लिए प्रशंसा प्रमाणपत्र

7) 2002-03 के लिए सरकारी क्षेत्र में उत्तम क्वालिटी सर्कल संवर्धन के लिए क्यूसीएफआई-एनएमडीसी ट्राफी

8) धमन भट्टी से 'लोथकी' की वीएसपी क्यू सी दल, सी एंड सीसीडी से 'श्रवंथी', एमएमएसएम से 'प्रतीभा', सीएमएम से 'स्मृति' को 17वीं राष्ट्रीय क्वालिटी सर्कल कन्वेन्सन में सर्वश्रेष्ठ क्वालिटी सर्कल पुरस्कार दिए गए।

नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कारपोरेशन लि. (एनएमडीसी)

कंपनी को निम्नलिखित पुरस्कार मिले:-

1) वर्ष 2001-02 के लिए एनएमडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने महामहिम राष्ट्रपति श्री ए पी जे अब्दुल कलाम के कर कमलों से 5 अप्रैल 2003 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में निष्पादन में श्रेष्ठता के लिए एमओयू पुरस्कार प्राप्त किया।

2) 30 मई, 2003 को खान राज्य मंत्री, भारत सरकार ने बैलाडिला-14/11 सी को अभिराज बलदोता पर्यावरण पुरस्कार प्रदान किया। यह पुरस्कार एक शील्ड के रूप में था। वर्ष 2002-03 के शील्ड के रूप में दौणिमलाई को प्रशास्तिपत्र और सीताराम रुंगटा स्मारक जागरुकता पुरस्कार प्रदान किया गया।

3) 5, नवम्बर, 2003 को आंध्र प्रदेश के महामहिम राजपाल श्री सुरजीत सिंह बरनाला ने सीआईटीडी राष्ट्रीय क्वालिटी पुरस्कार 2003 प्रदान किया। एनएमडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने स्वर्ण पदक और प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया।

4) 7 नवम्बर, 2003 को वाणिज्य मंत्री, भारत सरकार ने वर्ष 2002-03 के लिए सीएपीई एक्स आईएल विशेष पुरस्कार प्रदान किया। एनएमडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने पुरस्कार प्राप्त किया।

5) 6.2.2004 के अग्रणी अंग्रेजी दैनिक फाइनन्शियल बिजनेस स्टैंडर्ड के अनुसार एनएमडीसी को बीएस 1000 इंडिया कार्पोरेट जाइन्ट्स में निम्नलिखित स्थान मिला है-:

(क) इन्डस्ट्री वाइस परफार्मेंस (तेल ड्रिलिंग क्षेत्र)	प्रथम
(ख) सुपर रैंक	द्वितीय
(ग) निवल लाभ	27वां स्थान
(घ) मार्किट कैंप	32वां स्थान
(ड.) नेट बर्थ	36वां स्थान

(च) प्रचालन लाभ 43वां स्थान

(छ) परिसम्पत्ति 76वां स्थान

(ज) निवल बिक्री 86वां स्थान

कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी लि. (केआईओसीएल)

कंपनी को वर्ष के दौरान निम्नलिखित पुरस्कार मिलें:-

(1) कंपनी को लोक उद्यम ब्यूरो, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2001-02 के लिए एमओयू की उपलब्धि के लिए मैरिट प्रमाण पत्र प्रदान किया गया

(2) राजभाषा संस्थान, नई दिल्ली ने कंपनी को राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए प्रथम पुरस्कार प्रदान किया

(3) राजभाषा एवं प्रबंधन संस्थान ने मई, 2003 में राजभाषा शील्ड प्रदान किया

(4) निर्यात संवर्धन के लिए विश्वेश्वरैया इंडस्ट्रीज ट्रेड सेन्टर द्वारा वर्ष 1996-2000 के दौरान रसायन उत्पादों के क्षेत्र में सर्वोत्तम निर्यात के लिए विशिष्ट प्रमाणपत्र

(5) छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल ने राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए कंपनी को राष्ट्रीय राजभाषा शील्ड पुरस्कार प्रदान किया।

(6) वर्ष 2002-03 के लिए लौह अयस्क के संबंध में विशिष्ट निर्यात निष्पादन को मान्यता देते हुए सीएपीईएक्सआईएल का विशेष निर्यात पुरस्कार प्रदान किया गया।

(7) वर्ष 2002-03 के दौरान लौह अयस्क सांद्रण और पैकेटों की उत्तम कोटि के निर्यात के लिए न्यू मैंगलौर पत्तन के प त्तन द्वारा कंपनी को 'सर्टीफिकेट ऑफ एक्सीलेंस'' प्रदान किया गया।

(8) ग्रीनटेक फाऊन्डेशन, नई दिल्ली ने खनन क्षेत्र में इन्वायरनमेंट एक्सीलैंस गोल्ड अवार्ड प्रदान किया, तथा

(9) कर्नाटक के माइन्स सैफ्टी एसोसिएशन ने केआईओसीएल को दिसम्बर, 2003 के दौरान कुद्रेमुख दौणिमलाई जोन में सर्वोत्तम समग्र खान निष्पादन से सम्मानित किया।